

प्रस्तावना:

घरेलू कामगार महिलाओं की स्थिति एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय है। आजकल घरेलू कामगार महिलाओं की संख्या में वृद्धि हो रही है। ये महिलाएं घरेलू काम करती हुई अन्य स्थानों पर काम करती हैं और घरेलू श्रम के लिए उपलब्ध होती हैं। घरेलू कामगार महिलाओं की स्थिति बहुत ही निर्मम और कठिन होती है। ये महिलाएं आमतौर पर कम शिक्षित होती हैं और उनके पास अपने उपयोग के लिए उपयुक्त उपकरण नहीं होते हैं। इसलिए, घरेलू कामगार महिलाएं अपने काम के लिए बहुत ही कम मूल्य में खुद को उपलब्ध कराती हैं।

Copyright © 2022 The Author(s): This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY-NC 4.0) which permits unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium for non-commercial use provided the original author and source are credited.

घरेलू कामगार महिलाओं की स्थिति:

घरेलू कामगार महिलाओं को उनके निजी जीवन में भी कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। उनके पास कुछ अच्छे मेडिकल फेसिलिटी नहीं होती हैं, जिससे उनके स्वास्थ्य पर असर पड़ता है। उनका सम्पूर्ण परिवार उनके साथ रहता है जो उनकी आर्थिक स्थिति में भी असर डालता है।

घरेलू कामगार महिलाओं की स्थिति सुधारने के लिए सरकार की योजनाएं :

घरेलू कामगार महिलाओं को अपनी स्थिति सुधारने के लिए सरकार की ओर से अलग-अलग योजनाएं भी प्रदान की जाती हैं। जैसे कि, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा चलाई जाने वाली 'आशा' योजना। इस योजना के तहत, घरेलू कामगार महिलाओं को बाल विकास कार्यों में शामिल होने के लिए ट्रेनिंग प्रदान की जाती है। इसके अलावा, राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा चलाई जाने वाली योजनाएं भी हैं जो

घरेलू कामगार महिलाओं को आर्थिक रूप से समृद्धि प्रदान करती हैं।

इन योजनाओं में से कुछ शामिल हैं - महिला आश्रित योजना, महिला सशक्तिकरण योजना, महिला सफलता पर आधारित योजना, और उद्यमिता के लिए महिला उद्यमिता योजना, नारी शक्ति योजना, महिला एवं बाल विकास संगठन योजना, महिला आवास योजना, समाज कल्याण योजना आदि। इन योजनाओं के जरिए सरकार महिलाओं की आर्थिक स्थिति में सुधार करने की कोशिश करती है।

इसके अलावा अन्य संगठनों द्वारा भी महिलाओं के लिए कार्यक्रम चलाए जाते हैं जिससे महिलाओं को विभिन्न क्षेत्रों में अधिक से अधिक काम के अवसर मिलते हैं और उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार होता है।

सरकार के द्वारा चलाई जाने वाली योजनाओं के साथ-साथ, समाज के लोगों को भी इन महिलाओं की समस्याओं को



समझना चाहिए। हमें ये समझना चाहिए कि घरेलू कामगार महिलाएं भी एक व्यक्ति हैं जो अपने हक के लिए लड़ रही हैं। हमें उनकी मदद करनी चाहिए ताकि वे भी खुश रह सकें और उनके जीवन के लिए अधिक से अधिक संभावनाएं उपलब्ध हो सकें। इसलिए, यह बहुत जरूरी है कि घरेलू कामगार महिलाओं को अधिक अवसर मिलते हैं, उनकी आर्थिक स्थिति सुधरती है, और उन्हें उनके काम के लिए उपयुक्त उपकरण प्रदान किए जाते हैं।

हालांकि, इन सभी योजनाओं के बावजूद भी घरेलू कामगार महिलाओं की स्थिति में कुछ सुधार नहीं हुआ है। इन महिलाओं को अपने काम के लिए उचित मूल्य नहीं दिया जाता है और उन्हें भुगतान में बहुत ही कम मूल्य मिलता है। इससे उनकी आर्थिक स्थिति भी कमजोर होती है और उन्हें जीवन के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध नहीं होती।

यह सही है कि सरकार द्वारा कुछ योजनाएं शुरू की गई हैं जो घरेलू कामगार महिलाओं को समर्थित करती हैं। एक ऐसी योजना है "प्रधानमंत्री आवास योजना" जो घरेलू कामगार महिलाओं को सस्ते आवास के लिए लाभ प्रदान करती है।

सरकार ने यह भी घोषित किया है कि उन्हें सबसे अधिक आवश्यकता वाले लोगों को ध्यान में रखते हुए सामूहिक जीवन विमा योजना जैसी योजनाओं का लाभ दिया जाएगा। इसके अलावा, निजी संस्थाओं और गैर सरकारी संगठनों ने भी अलग-अलग योजनाएं शुरू की हैं।

घरेलू कामगार महिलाओं की स्थिति आधुनिक समाज में अत्यंत महत्वपूर्ण है। ये महिलाएं घर के कामों में निरंतर लगी रहती हैं और उन्हें समाज के अन्य सदस्यों की सहायता के

बिना अपने परिवार का पालन-पोषण करना पड़ता है। हालांकि, अभी भी बहुत से ऐसे कामगार महिलाएं हैं जो अपने घरों में अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण जीवन जीती हैं। वे नौकरी नहीं कर सकतीं और अपने पति या परिवार से अत्यधिक निर्भर होती हैं।

घरेलू कामगार महिलाओं की स्थिति आजकल बहुत चिंताजनक है। इन महिलाओं को घर के कामों और परिवार की देखभाल के लिए जितना महत्व दिया जाना चाहिए, उतना नहीं मिलता है। इन महिलाओं के पास कोई विकल्प नहीं होता है और वे अपने कामों में इतनी डेढ़ ताकत लगाती हैं कि वे अक्सर थक जाती हैं। इससे न केवल उनकी सेहत बिगड़ती है, बल्कि उनकी शिक्षा और आर्थिक स्थिति पर भी असर पड़ता है।

दूसरी ओर, इन महिलाओं के पास बढ़िया कौशल और अनुभव होता है घरेलू कामगार महिलाओं की स्थिति आज के समय में बहुत महत्वपूर्ण है। यह एक समस्या है जो भारत के विभिन्न हिस्सों में देखी जा सकती है। यह महिलाओं के लिए जीवन का एक बड़ा हिस्सा होता है और उन्हें आर्थिक स्वतंत्रता प्रदान करता है। हालांकि, इन महिलाओं की स्थिति अभी भी चुनौतीपूर्ण है। वे अक्सर घरेलू कामों के लिए अनुचित भुगतान पर काम करती हैं जो उन्हें उनके मेहनत के लिए उचित मूल्य नहीं देता है। भारत में घरेलू कामगार महिलाओं की स्थिति अभी भी चुनौतियों से भरी है। इन महिलाओं को अधिकतर गृह के कामों, जैसे कि बर्तन धोना, कपड़े धोना, कपड़ों को सिलना और सफाई करना आदि के लिए रोजगार के रूप में लिया जाता है।

घरेलू कामगार महिलाओं को घर से बाहर नहीं जाना पड़ता है,

इसलिए उन्हें अधिकतर समय अपने घर के कामों में लगाना पड़ता है। ये महिलाएं बहुत कम वेतन में काम करती हैं इन महिलाओं का रोजगार घरेलू काम के अलावा कुछ नहीं होता है, जिससे वे अपने परिवार का पालन-पोषण करती हैं। इन महिलाओं का वेतन बहुत कम होता है और उन्हें काम करने के लिए अधिकतर समय दिया जाता है। इन महिलाओं की स्थिति बहुत ही निराशाजनक है।

घरेलू कामगार महिलाओं की चिंताजनक स्थिति के कारण :

घरेलू कामगार महिलाओं की स्थिति के पीछे कई कारण हैं। भारत में घरेलू कामगार महिलाओं की स्थिति कई कारणों से चिंताजनक है। इनमें से कुछ मुख्य कारण निम्नलिखित हैं:

१) **शैक्षिक असमंजस और कम शैक्षिक स्तर –**

- घरेलू कामगार महिलाओं को शैक्षिक सुविधाओं से वंचित रखा गया है जो उनकी स्थिति को और भी बुरा बनाता है

२) **भ्रष्टाचार:**

घरेलू कामगार महिलाओं को न्यून वेतन पर काम करना पड़ता है जो उन्हें उनके आर्थिक स्तर को आगे बढ़ाने में नाकाफी होता है। इसके अलावा, इन महिलाओं को उनके वेतन में कटौतियों का सामना भी करना पड़ता है।

३) **सामाजिक और आर्थिक असमानता:**

घरेलू कामगार महिलाओं का बहुमूल्य योगदान समाज द्वारा अनदेखा किया जाता है। उन्हें अधिकतर अवसर नहीं मिलते हैं और वे अधिकतर समाज के निम्नतम श्रेणी में होती हैं।

४) **कम वेतन:**

घरेलू कामगार महिलाओं को अधिकतर कामों के लिए बहुत कम वेतन मिलता है। ये महिलाएं अपने परिवारों के लिए पैसे कमाने के लिए मजबूर होती हैं और उन्हें उनके काम के लिए उचित मूल्य नहीं मिलता है।

५) **काम की अवहेलना:**

काम की अवहेलना एक महत्वपूर्ण कारण है जिसके कारण घरेलू कामगार महिलाओं की स्थिति बिगड़ती है। बहुत से लोगों को यह मान्यता है कि ये काम छोटे और अवहेलना के होते हैं जो कि कुछ महिलाओं को करना चाहिए। इसके कारण, उन्हें कम वेतन दिया जाता है और अक्सर उनके साथ अनुचित व्यवहार भी होता है। घरेलू कामगार महिलाओं को समाज के दृष्टिकोण से बेहद कमजोर माना जाता है। इसलिए उन्हें समाज में समानता का अधिकार नहीं मिलता है।

निष्कर्ष :

भारत में घरेलू कामगार महिलाओं की स्थिति चुनौतियों से भरी है। ये महिलाएं बहुत कम वेतन में काम करती हैं और उन्हें उनके कामों के लिए समान वेतन नहीं मिलता है। उनका काम अपराधिकरण से भी गुजरता है जिससे उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से नुकसान होता है।

इस समस्या का समाधान उन्हें शिक्षा और प्रशिक्षण के माध्यम से आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त करने में है। साथ ही, उन्हें समान वेतन और व्यवसायी बनने का मौका देना भी आवश्यक है। सरकार को भी इस मुद्दे को गंभीरता से लेना चाहिए और उन्हें सुरक्षित काम करने के लिए कानूनों का

सम्मान करना चाहिए।

सन्दर्भ ग्रन्थ सुचि :

"घरेलू कामगार महिलाओं की स्थिति" द्वारा डॉ. संजय कुमार त्रिपाठी - प्रकाशक: राजकमल प्रकाशन, वर्ष: 2014

"भारतीय महिलाओं की अर्थव्यवस्था: समस्याएं और समाधान" द्वारा डॉ. अनीशा गुप्ता - प्रकाशक: डीडीपी पब्लिशर्स, वर्ष: 2016

"महिला श्रमिकों की समस्याएं एवं समाधान" द्वारा श्रीमती मधु साक्षी - प्रकाशक: सीएचपी प्रकाशन, वर्ष: 2013

"घरेलू कामगार महिलाओं की समस्याएं और उनका समाधान" द्वारा डॉ. संजीवनी खन्ना - प्रकाशक: डीडीपी प्रकाशन, वर्ष: 2016

"महिला श्रमिकों की समस्याएं: स्थिति और समाधान" द्वारा श्रीमती सरोज शर्मा - प्रकाशक: एवी पब्लिकेशन्स, वर्ष: 2015

Cite This Article:

* *Dr. Shukla B.B. (2023). घरेलू कामगार महिलाओ की स्थिति, Aarhat Multidisciplinary International Education Research Journal, XII (II) Mar-April, 126-129.*